# नामांकन और पारिश्रमिक समिति की कार्य शर्तें

नामांकन और पारिश्रमिक समिति की भूमिका में अन्य कार्यों के साथ-साथ निम्नलिखित भी शामिल होंगे:

1) वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल/निष्पादन संबंधित वेतन(पीआरपी) तय करना और कार्यपालकों और गैर-संघीय पर्यवेक्षकों के मध्य इसके वितरण के लिए विनिर्दिष्ट सीमाओं में नीति का निर्धारण करना।

2) निदेशक की स्वतंत्रता, योग्यता, सकारात्मक विशेषताएं आदि निर्धारित करने के लिए मानदंड तैयार करना और वेतन, अनुलाभ, भत्ते और निदेशकों के पारिश्रमिक से संबंधित नीति, मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक एवं कर्मचारियों से संबधित सभी मामलों के विषय में निदेशक मंडल को अपनी संस्तुति देना।

3) स्वतंत्र निदेशकों एवं निदेशक मंडल के निष्पादन के मूल्यांकन के लिए मानदंड तैयार करना।

4 नामांकन और पारिश्रमिक समिति बोर्ड में प्रत्येक स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति के लिए, कौशल, ज्ञान और अनुभव का मूल्यांकन करेगी और ऐसे मूल्यांकन के आधार पर ही स्वतंत्र निदेशक की भूमिका और क्षमताओं का विवरण तैयार किया जाएगा। जिस किसी भी व्यक्ति की बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई है, उसमें निर्धारित की गई योग्यताएं एवं क्षमताएं समाहित होनी चाहिए। उपयुक्त अभ्यर्थी की पहचान करने के उद्देश्य से, समिति:

क) यदि आवश्यक हो तो बाहरी एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है ;

ख) वृहद पृष्ठभूमियों एवं विविधता से युक्त अभ्यर्थियों पर विशेष ध्यान देते हुए विचार किया जाता है, और

ग) अभ्यर्थियों की समय के प्रति प्रतिबद्धताओं को महत्व दिया जाता है।

5) ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना जो निदेशक बनने के योग्य हैं एवं जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किया जाना है एवं नियुक्त एवं निष्कासन के लिए निदेशक मंडल को संस्तुति की जा सकती है, यदि आवश्यक हो तो

6) स्वतंत्र निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन की रिपोर्ट के आधार पर स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति की शर्तो में वृद्धि की जा सकती है या जारी रखी जा सकती हैं।

7) निदेशक मंडल की विविधता हेतु नीति बनाना ।

8) कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी (निर्धारित दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, और डीपीई द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देश के प्रावधानों के तहत आवश्यक कोई अन्य कार्य करना ।